

p>Title: Need to accord state-honour posthumously to the freedom fighters of Uttar Pradesh.

कुंवर अखिलेश सिंह : माननीय अध्यक्ष जी, अंग्रेजों की दासता से मुक्ति दिलाने वाले देश के स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के अमूल्य बलिदान के कारण ही आज हम इस जनतंत्र के मंदिर में बैठे हुए हैं। पिछले दिनों आदरणीय चन्द्रशेखर जी और माननीय मुलायम सिंह यादव जी ने, उत्तर प्रदेश के बलिया जनपद के स्वर्गीय जगदीश भाई, जो स्वतंत्रता संग्राम सेनानी थे, को मृत्यु-उपरांत राज्य सरकार द्वारा राजकीय सम्मान न दिये जाने का प्रकरण गंभीरता पूर्वक उठाया था। आपने उस प्रकरण को गंभीरता से लेते हुए सरकार के इस कृत्य की इसी आसन से भर्त्सना भी की थी और संसदीय कार्य मंत्री जी ने हमें आश्वासन दिया था और कहा था कि हम यह आश्वासन देते हैं कि स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों को निश्चित तौर पर राजकीय सम्मान दिया जाएगा।

मान्यवर, मैं अपने ही जनपद के फरेदा तहसील के फरेदा खुर्द ग्राम के श्री रघुवर यादव जी जो आजीवन स्वतंत्रता संग्राम सेनानी रहते हुए कांग्रेस पार्टी में रहे और जिनकी मृत्यु 2 जून 2003 को गोरखपुर मेडिकल कालेज में हुई। उनका दाह-संस्कार 3 जून 2003 को ताप्ती नदी के किनारे करमैनी घाट पर किया गया। मुझे खेद के साथ कहना पड़ रहा है कि एसडीएम और दरोगा ने मात्र 2000 रुपये देकर अपने कर्तव्य की इतिश्री कर ली। जहां पर अंतिम संस्कार किया जा रहा था वहां जाना भी उन्होंने गंवार नहीं समझा और उन्हें राजकीय सम्मान नहीं दिया गया। अगर हम स्वतंत्रता संग्राम सेनानियों के प्रति अनादर का भाव रखेंगे तो निश्चित तौर पर हम उनका अपमान ही करेंगे। मेरा आपसे आग्रह है कि उत्तर प्रदेश सरकार ने महाराजगंज जनपद के फरीदा खुर्द निवासी रघुवर यादव को जो राजकीय सम्मान नहीं दिया है उस पर आपकी तरफ से उन अधिकारियों के खिलाफ कठोर कार्रवाई की अनुशंसा की जानी चाहिए।